की नीति के अनुसार रेल कार्यालयों में इस समय जो स्टेनोग्राफर काम कर रहे हैं, उन्हें हिन्दी स्टेनोग्राफी में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, और आवश्यकतानुसार उन से हिन्दी स्टेनोग्राफी का काम लिया जायेगा। इस समय हिन्दी स्टेनोग्राफर का एक पद रेल मंत्रालय में और दो पद उत्तर रेलवे में हैं।

हिन्दी टंकन तथा हिन्दी आशुलिपि का प्रशिक्षण

3776. **श्री राजदेव सिंह** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जहां कहीं गृह मंत्रालय द्वारा हिन्दी, हिन्दी टंकन तथा हिन्दी आशु-लिपि सिखाने की व्यवस्था नहीं है, क्या वहां के रेलवे कार्यालयों में विभागीय स्तर पर, इन सब विषयों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है ; और

(ख) यदि नहीं, तो राष्ट्रपति के आदेशों में निर्धारित अवधि के भीतर इस कार्य को कैसे पूरा किया जायेगा ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). ऐसे अनेक स्थानों पर, जहां गृह मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण की सुविधा नहीं दी गयी है, हिन्दी पढ़ाने के लिए विभागीय व्यवस्था की गयी है। इस के अलावा, पश्चिम रेलवे पर अजमेर में हिन्दी टाइपराइटिंग और हिन्दी शार्टहैंड में प्रशिक्षण के लिए तथा कोटा, जयपुर और बड़ौदा में हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षण के लिए विभागीय कक्षाएं खोली गयी हैं। कुछ अन्य स्थानों पर, रेलवे और डाक तार विभाग के कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से इस तरह की प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के सवाल पर भी विचार किया जा रहा है।

क्षेत्रीय रेलवे में पदाधिकारी

3777. **श्री राजदेव सिंह**: क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे में कुल कितने (i) मिट्रिक पदाधिकारी (ii) दक्षता पदाधिकारी (iii) आपात्कालीन पदाधिकारी तथा (iv) हिन्दी पदाधिकारी नियुक्त हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (i) 11 (ii) 14 (iii) 8 (iv) कोई नहीं।

नोट—सामान्यतः हिन्दी अनुभाग का काम अन्य अधिकारियों को उनकी ड्यूटी के एक अंग के रूप में सौंपा जाता है।

कोटा जंक्शन पर विस्फोट

3778. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री बड़े :
श्री युद्धवीर सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनवरी, 1966 में कोटा जंक्शन पर दो रेलवे कर्मचारी घायल हो गये थे जब कि बड़ौदा जाने वाली एक सवारी गाड़ी कोटा जंक्शन से चलकर एक फाटक के पुल के ऊपर से जा रही थी और फाटक के पुल के नीचे एक विस्फोटक पदार्थ फटा था ; और

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना का ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). जनवरी, 1966 में ऐसा कोई विस्फोट नहीं हुआ। लेकिन 12-3-66 को कोटा स्टेशन के प्लेटफार्म नं 2 पर पटाखे के फटने की एक घटना हुई थी, जिस में दो रेल कर्मचारियों को मामूली चोटें आयीं। उन कर्मचारियों का